सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 354 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 31 जनवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

एक सच्चा आदमी किसी से नफरत नहीं करता।
-नेपोलियन बोनापार्ट

प्रियंका गांधी पहुंचीं नोएडा, संभाली... 8 | उत्तराखंड : अनुसूचित जाति-जनजाति... 3 | कानपुर : बेकाबू ई-बस ने कई... 7

करहल से अखिलेश ने किया नामांकन, कहा

अगली सदी का इतिहास लिखेगा ये चुनाव

» सकारात्मक राजनीति करती है सपा, नकारात्मक राजनीति को हराने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज मैनपुरी के करहल से अपना नामांकन दाखिल किया। वे पहली बार विधान सभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। फिलहाल वे आजमगढ़ से सांसद हैं। नामांकन के लिए निकलने से पहले उन्होंने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा ये 'नॉमिनेशन' एक 'मिशन' है क्योंकि यूपी का ये चुनाव प्रदेश और देश की अगली सदी का इतिहास लिखेगा। आइए, प्रोग्रेसिव सोच के साथ सकारात्मक राजनीति के इस आंदोलन में हिस्सा लें। नकारात्मक राजनीति को हराएं भी, हटाएं भी।

अखिलेश यादव इटावा के सैफई से विजय रथ पर सवार होकर दिन में करीब एक बजे मैनपुरी कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनके साथ करहल में उनके चुनाव प्रबंधन की कमान संभाल रहे पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव उर्फ तेजू और करहल के विधायक सोबरन सिंह यादव भी थे। सोबरन सिंह यादव उनके नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान कमरे में थे। इसके साथ ही पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव राज्यसभा सदस्य प्रोफेसर रामगोपाल यादव भी मैनपुरी में थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के पहली बार करहल से विधान सभा का चुनाव लड़ने के निर्णय के बाद से ही मैनपुरी में सियासी माहौल बेहद गरम हो गया। मैनपुरी से पूर्व सांसद तेज प्रताप उनके चुनाव का संचालन कर रहे हैं, जबकि मैनपुरी से सांसद समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की निगाह भी यहां लगी है। मैनपुरी सदर सीट से सपा प्रत्याशी राजकुमार यादव शुक्रवार को ही नामांकन दाखिल कर चुके हैं। मैनपुरी के करहल में तीसरे चरण में 20 फरवरी को मतदान होगा। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही है।

सपा प्रमुख के नामांकन के साथ प्रदेश का सियासी पारा और चढ़ा

पिछले चुनाव में भी कर चुके हैं पार्टी का नेतृत्व

अखिलेश यादव तीन बार सांसद रहने के साथ विधान परिषद के सदस्य भी रहे हैं। अखिलेश ने 2012 के उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में अपनी पार्टी का नेतृत्व किया था। उनकी पार्टी को राज्य में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद 15 मार्च 2012 को उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

लोगों ने किया सपा प्रमुख का जोरदार स्वागत

जब अपने विजय रथ पर सवार होकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव करहल की ओर बढ़ रहे थे लोगों के अपार जनसमूह ने उनका स्वागत किया और उनकी एक झलक पाने के लिए कतार में खड़े दिखे।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

सिर्फ एक बार भाजपा जीती

करहल विधान सभा सीट का इतिहास बताता है कि 1957 से अब तक यहां सिर्फ एक बार 2002 में भाजपा जीती है। 1980 में यह सीट एक बार कांग्रेस के खाते में भी गई है। 1957 के पहले चुनाव में यहां प्रजा सोशलिस्ट पार्टी जीती थी। उस समय दो सीटें हुआ करती थीं। 1985 से 2002 तक यहां बाबू राम यादव विधायक रहे। खास बात ये है कि वे 1985 से 1989 तक लोक दल से, 1989 से 1991 तक जनता दल से, 1991 से 1992 तक जनता दल (सेक्युलर) से और फिर 1993 से 2002 तक समाजवादी पार्टी से विधायक रहे।

वाराणसी और जौनपुर में सर्राफा कारोबारियों पर आयकर के छापे, हड़कंप

जारी है कार्रवाई, अवैध तरीके से पैसे के लेन-देन का बताया जा रहा मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आयकर विभाग ने आज वाराणसी और जौनपुर के सर्राफा कारोबारियों के घर और प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। इससे कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

जौनपुर और वाराणसी में लगभग आठ जगहों पर छापेमारी की जा रही है। माना जा रहा है कि आचार संहिता का उल्लंघन करके संदिग्ध तौर पर रुपये का लेन-देन किया जा रहा है। इसी संदर्भ में

आयकर विभाग की टीम आज सुबह वाराणसी और जौनपुर में कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई कर रही है। जौनपुर में 16 गाड़ियों से लगभग तीन दर्जन के करीब अधिकारियों ने जांच की कार्रवाई शुरू की है। इस दौरान पुलिस की टीम भी जांच टीम के साथ सहयोग में मौजूद रही। जौनपुर में सुबह करीब सात बजे पुलिस फोर्स के साथ छापेमारी करने आई टीम नखास में सद्भावना पुल पहुंच मार्ग पर नन्हें लाल वर्मा के कीर्तिकुंज शोरूम पर पहुंची। आधे घंटे बाद वह गहना कोठी पहुंची। इसके बाद टीम ने नन्हें लाल वर्मा के चहारसू चौराहा स्थित प्रतिष्ठान व आवास, कोतवाली चौराहा स्थित गहना कोठी शोरूम व ख्वाजादोस्त मोहल्ला स्थित प्रतिष्ठान मालिक विवेक सेठ के आवास पर भी छापेमारी की। इस दौरान बाहर डटे पुलिस कर्मी और मीडिया कर्मियों को भी पास नहीं जाने दिया। इस कार्रवाई से शहर के प्रमुख कारोबारियों में खलबली मच गई है। क्षेत्र में चर्चाएं गर्म हैं।

आप ने रायबरेली से गौरव और कन्नौज से गीता देवी को उतारा चुनाव मैदान में

» यूपी विधान सभा चुनाव के लिए 19 और प्रत्याशियों की जारी की लिस्ट

» चार क्षेत्रों के प्रत्याशियों में किया गया है बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को 19 विधान सभा क्षेत्रों से प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। चार क्षेत्रों में प्रत्याशियों में बदलाव किया गया है। घोषित प्रत्याशियों में एक डाक्टर, पांच ग्रेज्युएट, तीन एलएलबी, एक पोस्ट ग्रेज्युएट व नौ प्रत्याशी 12वीं पास हैं। पार्टी ने चुनावी मैदान में सभी वर्गों को समान वरीयता देते हुए सामान्य वर्ग के नौ, ओबीसी के तीन, एससी के सात उम्मीदवारों को मौका दिया है। आम आदमी पार्टी प्रदेश में अब तक 302 प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है।

आम आदमी पार्टी ने चार विधान सभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों को बदला है। इनमें बांदा के तिंदवारी से अरुण कुमार शुक्ला को टिकट दिया गया है। पहले यहां से अवधेश कुमार सिंह को प्रत्याशी बनाने की घोषणा की थी। हाथरस के सिकंदराराव से मनोज यादव अब चुनाव लड़ेंगे। यहां पहले सुरेश बघेल को उम्मीदवार बनाया था। मऊ की मधुबन सीट से फौजी किशन लाल गौंड चुनाव लड़ेंगे जबकि पार्टी ने यहां से कमलेश द्विवेदी को प्रत्याशी बनाया था। इसी तरह से सीतापुर के बिसवां से आदर्श कुमार श्रीवास्तव को चुनाव लड़ने के लिए उतारा है। आम आदमी पार्टी विधान सभा चुनावों को लेकर यूपी में अभी तक 302 प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। रविवार देर शाम जारी की गई लिस्ट में बहराइच की नानपारा सीट से तनवीर अफसर को प्रत्याशी बनाया है जबकि फतेहपुर की बिंदगी सीट से विकास त्रिवेदी को टिकट दिया है। फतेहपुर सिटी से बृजभान प्रजापति, हमीरपुर से राजेश कुमार बाजपेई, हमीरपुर की राठ सीट से प्रमोद कुमार, हरदोई के गोपामऊ सीट से रुद्र प्रताप शाही को चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसी प्रकार हरदोई के सांडी से एसके वर्मा, जालौन के माधोगढ़ से राम दीक्षित, जौनपुर के जाफराबाद से विजय कुमार पाठक, झांसी की मऊरानीपुर से मोहन लाल, कन्नौज की तिरवां से श्रीमती गीता देवी चुनाव लड़ेंगी। कानपुर देहात के सिकन्दरा नीरज कुमार दीक्षित, कौशाम्बी के चैल से धर्म राज त्रिपाठी, मऊ के महमूदाबाद से अंकित कुमार राव, मिर्जापुर के छानबे से मुन्ना लाल निर्मल, पीलीभीत से बरखेड़ा से आशीष गुप्ता, पीलीभीत के पूरनपुर से कमलेश कुमार, रायबरेली से गौरव सिंह, रायबरेली की ऊंचाहार सीट से राहुल सिंह यादव को टिकट दिया है।

कांग्रेस ने जारी की 61 प्रत्याशियों की सूची, 24 महिलाओं को टिकट

» अयोध्या से रीता मौर्या और गोविंदनगर से करिश्मा ठाकुर को बनाया उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 के विधान सभा चुनाव में अकेले लड़ रही कांग्रेस ने रविवार को 61 प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इसमें भी 24 महिलाओं को प्रत्याशी बनाया गया है। कांग्रेस ने 403 सीट में 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देने की घोषणा कर रखी है।

अखिल भारतीय कांगेस कमेटी के सचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को 61 प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इसमें तीसरे, चौथे, पांचवें, छठे और सातवें चरण के प्रत्याशियों के नाम हैं। कांग्रेस की चौथी लिस्ट में 24 महिलाएं हैं। प्रियंका गांधी ने प्रत्याशियों में 40 फीसदी टिकट महिलाओं को देने का वादा किया था। कांग्रेस ने अब तक कुल 316 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, जिनमें से 127 टिकट महिलाओं को दिया गया है। कांग्रेस ने अपनी 125 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट में 50 महिलाओं को टिकट दिया था। इसके बाद 41 नामों वाली दूसरी लिस्ट में 16 और 89 प्रत्याशियों वाली तीसरी लिस्ट में 37 महिलाओं को जगह मिली थी। कांग्रेस की इस चौथी लिस्ट में 8 मुस्लिम, 12 ब्राह्मण प्रत्याशियों पर कांग्रेस ने दांव लगाया है। 403 विधानसभा में 316 विधान सभा के उम्मीदवारों का कांग्रेस ने अब तक ऐलान कर दिया है। पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव तथा उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस बार चुनाव का मोर्चा अपने हाथ में ले रखा है। उनका दावा है कि स्क्रीनिंग के बाद ही पार्टी के प्रत्याशियों का नाम फाइनल किया जा रहा है। कांग्रेस ने अपनी चौथी लिस्ट में अयोध्या से रीता मौर्या, गोविंदनगर से करिश्मा ठाकुर, फतेहपुर की अयाह शाह से हेमलता पटेल, कन्नौज से विनीता देवी, हमीरपुर से राज कुमारी, श्रीनगर से चांदनी, बिसवां से वंदना भार्गव, खलीलाबाद से शबीहा खातून समेत 24 महिलाओं को कैंडिडेट बनाया है। उन्नाव की बांगरमऊ, सफीपुर, मोहान, और उन्नाव सदर सीट पर प्रत्याशी घोषित करने के बाद कांग्रेस ने रविवार को भगवंत नगर के उम्मीदवार की भी घोषणा कर दी। पार्टी ने यहां से वरिष्ठ कांग्रेस नेता जंग बहादुर सिंह को उम्मीदवार बनाया है। जंगबहादुर सिंह पहले भी उन्नाव सदर और हड़हा सीट से अपनी किस्मत आजमा चुके हैं। रविवार को कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की तरफ से पार्टी के सचिव मुकुल वासनिक द्वारा जारी सूची में उनके नाम की घोषणा की गई है। अभी भी कांग्रेस द्वारा पुरवा विधान सभा सीट पर किसी उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की गई है।

प्रियंका सिर्फ नारे देती हैं करती कुछ नहीं : अपर्णा

» भाजपा नेता ने कांग्रेस महासचिव पर साधा निशाना

» योगी राज में नहीं हुआ एक भी दंगा और घोटाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की छोटी पुत्र वधू और भाजपा नेता अपर्णा यादव ने कहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा सिर्फ यूपी में ही महिलाओं की हिमायती हैं। कांग्रेस के अभियान लड़की हूं, लड़ सकती हूं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वह सिर्फ नारे देती हैं लेकिन हकीकत में करती कुछ नहीं।

अपर्णा यादव ने कहा कि कांग्रेस के टिकट पर केवल यूपी में ही लड़की लड़ सकती है। पंजाब में महिला कांग्रेस की 12 कार्यकर्ताओं ने टिकट मांगा था लेकिन, एक को भी नहीं मिला। उत्तराखंड में महिला कांग्रेस अध्यक्ष भाजपा में शामिल हो चुकी हैं। उन्होंने तंज कसा, प्रियंका जी आप कैसे लड़की को लड़वाएंगी। भाजपा सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि योगी राज के पांच साल में प्रदेश में एक भी दंगा और घोटाला नहीं हुआ। 2017 में भाजपा की जीत के बाद ही प्रदेश में असली बदलाव आया, क्योंकि हमारे पास संकल्प और नीयत दोनों अच्छी थी। उन्होंने कहा कि पांच साल में 47 हजार से ज्यादा भूमाफिया और गुंडे जेल भेजे गए हैं। पहले युवाओं को बिना सिफारिश नौकरी नहीं मिलती थी, अब ऐसा नहीं है।

सीएम चन्नी दो सीटों पर लड़ेंगे चुनाव अदिति सिंह के पति का टिकट कटा

» चमकौर के साथ भदौड़ से भी बनाया प्रत्याशी निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं अंगद सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ। पंजाब चुनाव में कांग्रेस के सीएम चेहरे को लेकर मचे घमासान के बीच पार्टी ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को दो सीट से लड़वाने का फैसला लिया है। अपनी परंपरागत सीट चमकौर साहिब के अलावा वह भदौड़ (आरक्षित) सीट से चुनाव लड़ेंगे।

पार्टी की अंतिम सूची में अटारी आरक्षित सीट से तरसेम सिंह सैलका, खेमकरण से सुखपाल सिंह भुल्लर, नवांशहर से सतबीर सिंह सैनी, लुधियाना साउथ से ईश्वरजोत, जलालाबाद से मोहन सिंह, बरनाला से मनीष बंसल और पटियाला से विष्णु शर्मा का नाम शामिल है। वहीं कांग्रेस ने नवांशहर से मौजूदा विधायक अंगद सिंह सैनी का टिकट काट दिया है। पार्टी ने उनकी जगह सतबीर सिंह सैनी को टिकट दिया है। अंगद सिंह सैनी यूपी के रायबरेली सदर सीट से विधायक अदिति सिंह के पति हैं। चुनाव से ठीक पहले अदिति सिंह कांग्रेस का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हो गईं हैं। अंगद सिंह से जुड़े सूत्रों के अनुसार वे अब निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं।

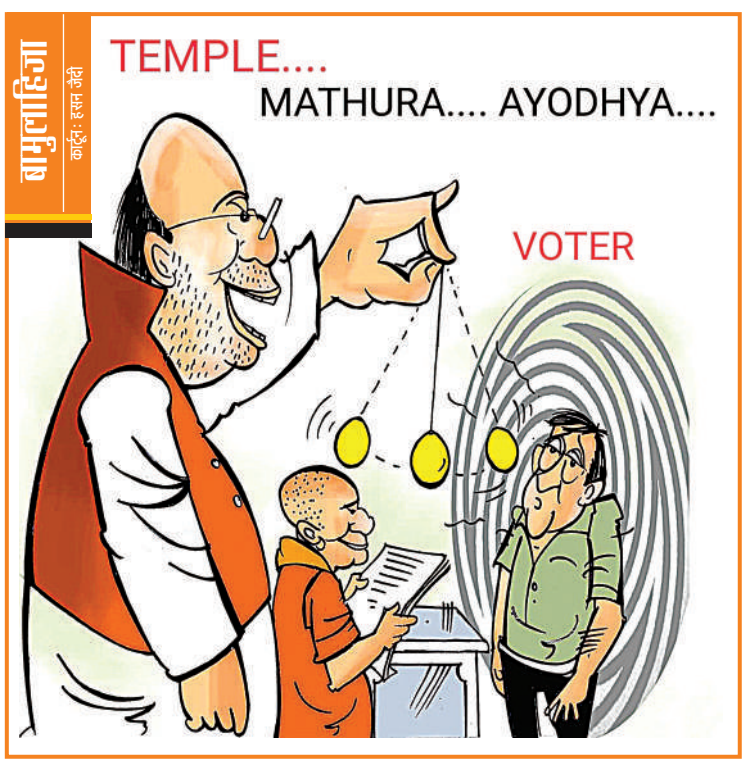

उत्तराखंड : दो फरवरी को आएगा भाजपा का घोषणा पत्र, कांग्रेस भी तैयार

» पार्टी ने जनता के सुझाव के आधार पर तैयार किया है घोषणा पत्र

» प्रतिज्ञा पत्र पेश करेगी कांग्रेस, कई वादों का पहले ही कर चुकी है ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने सभी 70 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए हैं। भाजपा दो फरवरी को अपना चुनाव दृष्टिपत्र जारी करने का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस भी अगले हफ्ते अपने चुनाव घोषणापत्र जारी कर देगी।

उत्तराखंड विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपना घोषणापत्र तैयार कर लिया है। दो फरवरी को पार्टी अपना चुनाव दृष्टि जारी करेगी। इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय नेता भी उपस्थित रहेंगे। पार्टी ने सभी 70 विधान सभा क्षेत्रों में जनता से सुझाव प्राप्त करने के बाद घोषणा पत्र को अंतिम रूप दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक के मुताबिक, घोषणा पत्र को तैयार करते समय समिति को प्राप्त जन सुझाव पर गौर किया गया। कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र तैयार है। शीर्ष नेताओं के अनुसार पहली या दो फरवरी को पार्टी अपना घोषणापत्र जारी कर सकती है। घोषणापत्र के तहत उत्तराखंड का स्वाभिमान चारधाम-चार काम थीम पर पार्टी पहले ही चार प्रमुख घोषणाएं कर चुकी है।

एक फरवरी से मेगा चुनाव प्रचार शुरू करेगी बीजेपी

देहरादून। उत्तराखंड विधान सभा चुनावों के तहत भाजपा एक फरवरी से राज्य में मेगा चुनाव प्रचार अभियान शुरू करेगी। केंद्रीय मंत्री व भाजपा चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने कहा कि एक फरवरी से पार्टी 70 विधान सभा सीटों पर मेगा चुनाव प्रचार अभियान शुरू करेगी जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता विधान सभाओं में जाकर प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्चुअल चुनावी रैली पर भी तैयारी की जा रही। इसके साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह समेत हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर समेत कई बड़े नेता विभिन्न विधान सभाओं में चुनाव प्रचार के लिए आएंगे।

उत्तराखंड : अनुसूचित जाति-जनजाति के वोटर बदल सकते हैं सियासी दलों का समीकरण

» मतदाता जागरूक होकर देते हैं वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। जैसे-जैसे चुनाव की तारीखें नजदीक आती जा रही हैं उत्तराखंड में भी सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। सियासी दल प्रत्याशियों के चयन में तमाम गुणा-भाग लगा रहे हैं। इसके अलावा यहां पर अनुसूचित जाति और जनजाति के मतदाताओं पर राजनीतिक दलों की नजर है। यहां अनुसूचित जाति व जनजाति के मतदाताओं का प्रभाव पूरे प्रदेश में है। राज्य विधान सभा में अनुसूचित जाति के लिए 13 और जनजाति के लिए दो सीटें आरक्षित हैं। प्रत्येक राजनीतिक दल में अनुसूचित जाति व जनजाति के प्रकोष्ठ बने हुए हैं। मंत्रिमंडल में भी इन्हें हमेशा जगह मिलती आई है। राजनीतिक दलों द्वारा इन्हें लुभाने का बड़ा कारण इन वर्गों का मतदान के प्रति जागरूक होना भी है। राज्य में वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में प्रदेश में 65.60 मतदान हुआ था। इनमें सबसे अधिक 74.60 प्रतिशत मतदान अनुसूचित जाति के मतदाताओं ने किया था।

प्रदेश की राजनीति में अनुसूचित जाति-जनजाति के मतदाता अहम भूमिका निभाते हैं। प्रदेश की वर्ष 2021 की अनुमानित जनसंख्या के अनुसार अनुसूचित जाति की जनसंख्या 22 लाख और अनुसूचित जनजाति के मतदाताओं की जनसंख्या 3.38 लाख है। यह आंकड़ा 25 लाख से अधिक है। निर्वाचन आयोग के अनुसार कुल जनसंख्या का 61 प्रतिशत मतदाता बनने के योग्य हो जाता है। इसके अनुसार प्रदेश में अनुसूचित जाति व जनजाति के मतदाताओं का प्रतिशत 18.50 पहुंचता है। जाहिर है कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं को नाराज करने की स्थिति में कोई दल नहीं रहता। सबसे अहम पहलू यह है कि ये वे मतदाता हैं जो सबसे अधिक संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचते हैं। पिछले चुनाव में हुए मतदान में 74.60 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 64.39 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के मतदाताओं ने वोट डाले थे। अनुसूचित जाति-जनजाति के मतदाताओं को रिझाने में इस समय सभी दल लगे हुए हैं। दरअसल, प्रदेश की कई विधान सभा सीटों पर अनुसूचित जाति के मतदाता ही प्रत्याशी की किस्मत तय करते हैं। वैसे भी यहां की विधान सभा सीटों पर निर्णय काफी कम अंतर से होता रहा है। ऐसे में जो अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने पक्ष में कर ले, उसे उम्मीद बंधी रहती है। राजनीतिक नजरिये से अभी तक की स्थिति देखें तो पर्वतीय क्षेत्रों में अनुसूचित जाति का वोट बैंक परंपरागत रूप से कांग्रेस का माना जाता रहा है जबकि मैदानी क्षेत्र में इस पर एक दौर में बसपा, सपा का प्रभाव रहा है। राज्य गठन के बाद 2002 में हुए पहले विधान सभा चुनाव में बसपा को सात सीटें हासिल हुई थीं, जो अब शून्य पर सिमट चुकी है। अलबत्ता, सपा यहां कभी खाता नहीं खोल पाई।

प्रदेश में हैं पांच जनजातियां

भारत सरकार ने वर्ष 1967 में पांच जनजातियां थारू, बुक्सा, भोटिया, राजी एवं जौनसारी को अनुसूचित जनजाति घोषित किया गया है। इन पांचों जनजातियों में बुक्सा एवं राजी जनजाति अन्य जनजातियों से काफी पिछड़ी एवं निर्धन होने के कारण उन्हें आदिम समूह की श्रेणी में रखा गया है। बुक्सा जनजाति जो देहरादून जिले के विकासनगर, सहसपुर, डोईवाला, पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड दुगड्डा, हरिद्वार के विकासखंड बहादराबाद, (लालढांग परिक्षेत्र) ऊधमसिंहनगर के विकासखंड बाजपुर, गदरपुर, काशीपुर, नैनीताल के विकासखंड रामनगर, राजी जनजाति पिथौरागढ़ जिले के धारचूला, कनालीछीना, डीडीहाट एवं चम्पावत जिले के विकासखंड चम्पावत में मुख्य रूप सें निवासरत हैं।

प्रदेश में चल रही है कई योजनाएं

अनुसूचित जाति, जनजाति के व्यक्तियों को लुभाने के लिए सरकार कई योजनाएं चलाती है। इनमें सरकारी सेवाओं में आरक्षण, कालेज में छात्रवृत्ति से लेकर सस्ता राशन, सरकारी अनुदान, बच्चों की शिक्षा व शादी के लिए आर्थिक सहायता प्रमुख है।

सभी दल लुभाने में जुटे, प्रकोष्ठ के पदाधिकारी भी सक्रिय

विधानसभा चुनाव के बीच एमएलसी चुनाव की अचानक घोषणा से बढ़ी सियासी दलों की चुनौती

» दो चरणों में होंगे विधान परिषद के स्थानीय निकाय क्षेत्र चुनाव

» 11 फरवरी से नामांकन, 12 मार्च को नतीजे, आचार संहिता लागू

» 36 सदस्यों का कार्यकाल सात मार्च को हो रहा समाप्त

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने विधान सभा आम चुनावों के साथ विधान परिषद के 36 सदस्यों के चुनाव का ऐलान कर राजनीतिक दलों की चुनौती बढ़ा दी है। एक साथ दो-दो चुनावों का सामना करने के लिए राजनीतिक दल तैयार नहीं थे। प्रदेश में स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित होने वाले 36 सदस्यों का कार्यकाल सात मार्च को समाप्त हो रहा है। इनमें ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत सदस्यों के साथ शहरी निकायों के प्रतिनिधि मतदान करते हैं। ये चुनाव पिछले वर्ष कराने की अटकलें थीं, जब सदस्यों का कार्यकाल छह महीने बाकी था पर कोविड व अन्य कारणों से संभव नहीं हुआ।

विधान सभा चुनाव के ऐलान होने से दल निश्चिंत थे कि अब यह बाद में ही होंगे। मगर अचानक इसका ऐलान कर दिया गया। जानकार बताते हैं कि प्रदेश के राजनीतिक दल, खासकर भाजपा और सपा विधान सभा चुनाव में सहयोगी दलों से समझौते, दलबदल की धमाचौकड़ी के बीच टिकट बंटवारे व टिकट न मिलने से असंतुष्ट नेताओं की चुनौती का पहले से ही सामना कर रहे हैं। तमाम असंतुष्टों को परिषद सीटों पर लड़ाने का आश्वासन देकर विधान सभा चुनाव में जुटने का आग्रह किया जा रहा था। मगर इस चुनाव के ऐलान से दलों का समीकरण गड़बड़ा गया है। अब परिषद के प्रत्याशी भी तय करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। इससे दोनों ओर असंतुष्टों की बड़ी फौज बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि विधान परिषद सदस्य के चुनाव को लेकर जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने आचार संहिता लागू करने का फैसला किया है।

सपा-भाजपा के बीच जंग

100 सदस्यीय परिषद में वर्तमान में सपा 48 सदस्यों के साथ बहुमत में है। दूसरे नंबर पर रही भाजपा के 36 सदस्य हैं। जिन 36 सदस्यों के लिए चुनाव हो रहे हैं उनमें करीब 30 सीटें सपा के कब्जे वाली हैं। जो भी पार्टी ज्यादा सदस्य जिता पाएगी परिषद में उसका दबदबा बढ़ जाएगा।

पांच वर्ष से खाली है बदायूं सीट

बदायूं स्थानीय निकाय क्षेत्र से परिषद सदस्य रहे बनवारी सिंह यादव का निधन 8 मार्च 2017 को हो गया था। तब से यह सीट खाली है। मथुरा-एटा-मैनपुरी स्थानीय निकाय क्षेत्र में दो सदस्यों का चुनाव होगा जबकि शेष सभी क्षेत्रों में एक सदस्य का चुनाव होगा।

सांसद से प्रधान तक होंगे मतदाता

स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र में सांसद से लगायत ग्राम प्रधान तक मतदाता होंगे। इसमें नव निर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य व अध्यक्ष, नगर निगम के पार्षद व महापौर, नगर पालिका व नगर पंचायत के सभासद व अध्यक्ष, विधायक, विधान परिषद सदस्य बतौर मतदाता होंगे।

टेंशन में सभी राजनीतिक दल

एमएलसी चुनाव में ग्रामीण व शहरी निकायों के प्रतिनिधि मतदान करते हैं। विधान सभा चुनाव में ये प्रतिनिधि राजनीतिक दलों की बड़ी ताकत के रूप में काम करते हैं। दोनों चुनाव साथ होने से इनकी सक्रियता विधान सभा चुनाव की अपेक्षा विधान परिषद चुनाव में बढ़ जाएगी। मतदाता सीमित संख्या में होते हैं। उनका समर्थन लेने के लिए स्थानीय प्रभावशाली लोगों की अहम भूमिका होती है। विधान सभा चुनाव में भूमिका सीमित होगी। प्रत्याशी कद्दावर लोग होते हैं। इनमें तमाम विधान सभा टिकट के दावेदार होते हैं। ये अपने चुनाव में व्यस्त होंगे, जिसका असर विधान सभा चुनाव वाले प्रत्याशियों पर पड़ेगा। वहीं, विधायक प्रत्याशी इनकी मदद नहीं कर पाएंगे।

3 मार्च को पहला और 7 को दूसरे चरण का मतदान

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की स्थानीय निकाय क्षेत्र की 35 सीटों पर चुनाव दो चरणों में होगा। पहले चरण में 3 मार्च को 29 सीटों और दूसरे चरण में 7 मार्च को 6 सीटों के चुनाव के लिए मतदान होगा। दोनों चरणों के चुनाव की मतगणना 12 मार्च को होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि पहले चरण में 29 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना 4 फरवरी को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 11 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 14 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 16 फरवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 3 मार्च को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। दूसरे चरण में छह सीटों पर होने वाले चुनाव की अधिसूचना 10 फरवरी को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 17 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 18 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 21 फरवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 7 मार्च को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

तीसरी लहर और पाबंदियों में छूट

देश में कोरोना की तीसरी लहर का कहर जारी है। केरल और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में अभी भी संक्रमण की रफ्तार थमी नहीं है। कुछ विशेषज्ञ कोरोना की तीसरी लहर का पीक फरवरी में आने की आशंका जता चुके हैं। वहीं बढ़ते मौत के आंकड़े डरा रहे हैं। बावजूद इसके कई राज्यों ने पाबंदियों में छूट देने का ऐलान कर दिया है। कई राज्यों ने स्कूल खोलने और नाइट व वीकेंड कर्फ्यू हटाने का निर्णय लिया है।

देश में कोरोना की तीसरी लहर का कहर जारी है। केरल और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में अभी भी संक्रमण की रफ्तार थमी नहीं है। कुछ विशेषज्ञ तीसरी लहर का पीक फरवरी में आने की आशंका जता चुके हैं। वहीं बढ़ते मौत के आंकड़े डरा रहे हैं। बावजूद इसके कई राज्यों ने पाबंदियों में छूट देने का ऐलान कर दिया है। कई राज्यों ने स्कूल खोलने और नाइट व वीकेंड कर्फ्यू हटाने का निर्णय लिया है। सवाल यह है कि क्या राज्य सरकारें पाबंदियों में छूट देने में जल्दबाजी तो नहीं कर रही हैं? क्या संक्रमण के स्थिर होने का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए? क्या बिना वैक्सीनेशन के 12वीं तक के छात्रों के स्कूल जाने से संक्रमण का खतरा नहीं बढ़ेगा? क्या विशेषज्ञों की आशंका को नजरअंदाज करना राज्य सरकारों को महंगा नहीं पड़ेगा? क्या बढ़ते मौत के आंकड़ों से भी राज्य सरकारें हालात की गंभीरता को नहीं समझ रही हैं? क्या एक और लहर देश और राज्यों की अर्थव्यवस्था और चिकित्सा सिस्टम को चरमरा नहीं देगी? क्या सरकारों ने दूसरी लहर से कोई सबक नहीं सीखा है?

दो वर्ष से अधिक समय से कोरोना ने पूरे विश्व में कोहराम मचा रखा है। भारत फिलहाल तीसरी लहर की चपेट में है और विशेषज्ञों का मानना है कि यह संक्रमण अब कम्युनिटी ट्रांसमिशन के स्तर तक पहुंच गया है। इसके कारण संक्रमण की चेन खोज पाना संभव नहीं रह गया है। लगातार मिल रहे केस भी इसकी पुष्टि कर रहे हैं। अभी भी रोजना करीब ढाई लाख से अधिक केस रोजाना सामने आ रहे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि अब मौतों के आंकड़ों में इजाफा हो रहा है। कम्युनिटी ट्रांसमिशन का कारण बिना लक्षण वाले संक्रमित व्यक्ति हैं। लक्षण नहीं होने के कारण ये अनजाने में लगातार संक्रमण फैला रहे हैं। ऐसी स्थिति में पाबंदियों पर छूट देना खतरनाक साबित हो सकता है। संक्रमण के स्थिर होने के पहले ही महाराष्ट्र, तमिलनाडू, हरियाणा और कर्नाटक में स्कूल खोलने का ऐलान कर दिया गया है। दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू को खत्म करने का निर्णय लिया गया है। यह स्थिति तब है जब संक्रमण का पीक आना अभी बाकी है। बिना वैक्सीनेशन के स्कूल जाने वाले छात्रों के बड़ी संख्या में संक्रमित होने की आशंका बनी रहेगी और ये छात्र तमाम लोगों को संक्रमित कर सकते हैं। वहीं राज्य सरकारें कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सख्ती से नहीं करा रही है। इसके कारण भी संक्रमण बढ़ रहा है। जाहिर है संक्रमण की तीव्रता को देखते हुए पाबंदियों में छूट देने पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। जल्दबाजी में हालात बदतर हो सकते हैं। एक और लहर देश की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन दोनों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

यूपी चुनाव में ओबीसी फैक्टर

नवीन जोशी

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में एक नया राजनीतिक-सामाजिक परिदृश्य उभर रहा है। कई वर्षों से चुनावी राजनीति में जो ओबीसी फैक्टर प्रमुखता पाता आया है, वह आज दलित फैक्टर ही नहीं, उग्र हिंदुत्व की राजनीति पर भी हावी हो गया है। दलित वोटों के बहुमत पर एकाधिकार रखनेवाली बसपा भी इसी कारण किनारे होती दिख रही है। बसपा में बिखराव के बावजूद मायावती उत्तर प्रदेश में एक बड़ी ताकत हैं, किंतु ओबीसी फैक्टर के हावी होने से उनकी दावेदारी कमजोर लग रही हैं। मुख्य चुनावी संग्राम सपा और भाजपा के बीच है और दोनों अपना पूरा फोकस ओबीसी वोटों पर किये हुए हैं।

भाजपा सरकार और पार्टी से आधा दर्जन से अधिक मंत्री और विधायक सपा के खेमे में पहुंच गये। इनमें अधिकांश ओबीसी नेता हैं। इसके दो बड़े कारण सामने आ रहे हैं। पहला, 'राजपूत' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरुद्ध बढ़ता गुस्सा, जो ब्राह्मण से लेकर ओबीसी मंत्रियों-विधायकों में काफी समय से था। दूसरा राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, गोरक्षा और मुस्लिम-विरोध की मार्फत जिस कट्टर हिंदुत्व की राजनीति को भाजपा ने अपना प्रमुख हथियार बनाया, वह उसके ओबीसी नेता-वर्ग को रास नहीं आ रहा था। 2014 से जिन दलित-ओबीसी जातियों को साथ लेकर भाजपा ने यूपी का किला भेदा, वे हिंदुत्व की हावी होती राजनीति में सामाजिक न्याय की अपनी लड़ाई को कमजोर होता देख रहे थे। मुख्यतः यादव-मुस्लिम आधार वाली जो समाजवादी पार्टी 2017 के चुनाव में गैर-यादव ओबीसी जातियों का समर्थन खो देने के बाद हाशिये पर चली गयी थी, वह एकाएक मजबूती से खड़ी हो गयी। कारण सिर्फ यह कि मौर्य, कुशवाहा, लोध, कुर्मी, राजभर, जैसी जातियों के नेता भाजपा छोड़कर अखिलेश यादव के साथ आ खड़े हुए। पार्टी छोड़ने वाले इन नेताओं ने भाजपा सरकार पर ओबीसी हितों की उपेक्षा करने का आरोप जड़ा। इसी समय मुख्यमंत्री योगी का बयान आया कि 'लड़ाई अस्सी प्रतिशत बनाम बीस प्रतिशत है।' ऐसे में भाजपा के प्रमुख ओबीसी चेहरे केशव प्रसाद मौर्य को फिर से सामने किया जा रहा है। हिंदुत्व के आक्रामक चेहरे योगी को तनिक मंद होने को कहा गया और सपा के ओबीसी के हमले की काट के लिए उसके घर में तोड़फोड़ के प्रयास किये गये। मुलायम की 'छोटी बहू' जो पहले से भाजपा में आना चाहती थीं, अचानक महत्वपूर्ण हो गयीं। उन्हें और मुलायम के साढ़ू भाई को तत्काल भाजपा की

सदस्यता दिलायी गयी। यही नहीं ओबीसी प्रत्याशियों को वरीयता दी जाने लगी। पूरे घटनाक्रम में हुआ यह कि पिछड़ों-अति पिछड़ों का दबदबा एकाएक बढ़ गया। सभी दल, विशेष रूप से सपा और भाजपा, पिछड़ों की असल नुमाइंदगी की दावेदारी की प्रतिस्पर्धा करने लगे हैं।

योगी जिसे अस्सी बनाम बीस (यानी हिंदू बनाम मुस्लिम) की लड़ाई कह रहे थे, वह पचासी बनाम पंद्रह (बहुजन बनाम सवर्ण) का संग्राम बन गया है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के इतने वर्षों के बाद अति पिछड़ी जातियों में भी सत्ता में अपना हिस्सा या अधिकार पाने की चेतना तेज हुई है। मंडल के तत्काल बाद सिर्फ कुछ प्रभुत्वशाली पिछड़ा वर्ग ने अधिकतम लाभ हासिल किये। अब यह ललक नीचे तक पहुंची है। इसी कारण अति पिछड़ी जातियों के कई नेताओं ने सपा और बसपा से अलग होकर अपने छोटे-छोटे दल बनाये हैं। भाजपा ने 2014 और 2017 के चुनावों में यूपी की अधिकाधिक सीटें जीतने के लिए इन्हीं छोटे दलों के साथ गठबंधन किया. गैर-यादव पिछड़ी जातियों और गैर-जाटव अनुसूचित जातियों को क्रमशः सपा और बसपा से अलग करके उसने अपने साथ लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं पिछड़ी जाति का होने को खूब प्रचारित किया था. आज यूपी में पिछड़ी और दलित जातियों के ये छोटे-छोटे दल या नेता बहुत महत्वपूर्ण हो गये हैं। इनके जातीय वोट पूरी तरह इनके पीछे हैं। माना जाता है कि ये स्वयं जिताऊ होते हैं, कई अन्य सीटों पर अपने जातीय वोट दिलाने में सक्षम भी होते हैं। इस बार अखिलेश यादव ने शुरू से ही इन छोटे दलों को साथ लेने की कोशिश की थी।

मांगें न मानी जाने के कारण भाजपा से नाराज हुए कुछ ओबीसी दल फौरन सपा के साथ आ गये थे। आज कम से कम आधा दर्जन ऐसे दलों का सपा से गठबंधन है। भाजपा ने कुछ दलों को अभी भी साधे रखा है। इसी तरह मायावती से नाराज कुछ अति दलित जातियों की छोटी-छोटी पार्टियां भाजपा, सपा या अब नये उभरे दलित नेता चंद्र शेखर आजाद के साथ आ गये हैं। वैसे, मायावती के उम्मीदवारों में भी ओबीसी की संख्या काफी है. यूपी में ओबीसी सब पर हावी हैं।

विरोधाभासी नीति और कृषि

राजेन्द्र चौधरी

अमेरिका जैसे चंद देशों से, जो जीएम फसलों को बढ़ावा देते हैं, जीएम खाद्य सामग्री के आयात का अब तक बंद रास्ता खोल रही है क्योंकि भारत और अमेरिका समेत पूरी दुनिया में जैविक खेती में जीएम बीजों के प्रयोग की मनाही है इसलिए सरकार की ये दोमुंही नीति समझ से परे है।

हाल ही में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा परिवर्तित जीन (जीएम) खाद्य सामग्री बाबत जारी नियमन प्रस्ताव देश में जीएम भोजन के आयात की राह खोलने का प्रयास है। देश जब चुनावों और बजट की गहमागहमी में डूबा होगा, तब ये नए नियम लागू हो सकते हैं। एक ओर प्रधानमंत्री देश को प्राकृतिक खेती, जो आत्मनिर्भर जैविक खेती का ही दूसरा नाम है, अपनाने का आह्वान कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी ही सरकार अमेरिका जैसे चंद देशों से, जो जीएम फसलों को बढ़ावा देते हैं, जीएम खाद्य सामग्री के आयात का अब तक बंद रास्ता खोल रही है क्योंकि भारत और अमेरिका समेत पूरी दुनिया में जैविक खेती में जीएम बीजों के प्रयोग की मनाही है, इसलिए सरकार की ये दोमुंही नीति समझ से परे है।

संशोधित जीन खाद्य सामग्री एक असामान्य खाद्य सामग्री है इसलिए इसके परिणाम घातक हो सकते हैं इसलिए पूरी दुनिया में ही इसके नियमन की विशिष्ट व्यवस्था बनाई जाती है एवं जैविक खेती में तो इनके प्रयोग का निषेध ही है इसलिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि इनके दीर्घावधि प्रयोग के प्रभावों के कड़े एवं स्वतंत्र परीक्षणों, तत्पश्चात इन परीक्षणों के पारदर्शी एवं सार्वजनिक मूल्यांकन में सुरक्षित साबित होने के बाद संशोधित जीन खाद्य सामग्री के प्रयोग की अनुमति दी जानी चाहिए। यह भी जरूरी है कि अनुमति देने के बाद भी ऐसे खाद्य पदार्थों की सतत निगरानी की जानी चाहिए। उपभोक्ता को यह भी बताना सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जो खाद्य सामग्री वह प्रयोग करने जा रहा है उसमें परिवर्तित जीन से उत्पन्न सामग्री का प्रयोग किया गया है। दुर्भाग्य से प्रस्तावित विनियमों में उपरोक्त सभी बिन्दुओं की अनदेखी की गई है। प्रस्तावित विनियमों से यह स्पष्ट है कि वर्तमान प्रौद्योगिकी 0.01 प्रतिशत (फार्म 1 कालम 8 का उपखंड 8) तक जीएम सामग्री की उपस्थिति को पकड़ सकती है परन्तु नियमों में केवल 1 प्रतिशत या अधिक (धारा 7) जीएम सामग्री के उपयोग होने पर ही इस का उल्लेख करना अनिवार्य किया गया है।

इसका अर्थ है कि तकनीकी रूप से जिस स्तर तक जीएम सामग्री के प्रयोग की पहचान संभव है, उससे 100 गुना ऐसी सामग्री को नजरंदाज करने की अनुमति देना प्रस्तावित है। इसके अलावा दिक्कत यह है कि अमीर देशों के मुकाबले भारत में अधिकांश खाद्य सामग्री की बिक्री खुले रूप में की जाती है न कि डिब्बा बंद रूप में इसलिए जीएम सामग्री के उपयोग का उल्लेख करना अनिवार्य होने के बावजूद अधिकांश परिस्थितियों में उपभोक्ता अंधेरे में रह कर जीएम खाद्य सामग्री का प्रयोग करने को अभिशप्त हो जायेंगे। प्रस्तावित फार्म 2 के कालम 6 से स्पष्ट प्रतीत होता है कि जीएम उत्पाद सम्मिलित खाद्य पदार्थों के सुरक्षा परीक्षण करने के अपने कोई स्वतंत्र मापदंड स्थापित नहीं किये गए हैं। इस बाबत अन्य देशों द्वारा लिए गए निर्णयों को मान लिया जाएगा। भारत में खाद्य पदार्थों की बिक्री एवं उपभोग की परिस्थितियां अमीर देशों से बिलकुल अलग हैं इसलिए हमें अपने स्वतंत्र परीक्षण मापदंड एवं परीक्षण प्रणाली स्थापित करनी चाहिए। अब तक भारत में जीएम बीजों का नियमन दो क्रमबद्ध स्तरों पर होता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत आने वाली जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीइएसी) से अनुमति मिलने के बाद ही भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा अनुमति का प्रावधान रहा है (हालांकि इस विषय पर कानूनी विवाद है)। अब जब इन दो क्रमबद्ध स्तरों को समानान्तर व्यवस्था में बदला जा रहा है तो यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि जीएम उत्पाद सम्मिलित खाद्य पदार्थों के नियमन की नयी व्यवस्था कम से कम जीईएसी के तहत स्थापित व्यवस्था जितनी कड़ी तो होनी ही चाहिए बल्कि जीएम उत्पादों के प्रयोग से तैयार खाद्य पदार्थों का नियमन तो जीईएसी की प्रक्रियाओं से भी कड़ा होना चाहिए क्योंकि जीईएसी की प्रक्रियाओं में गहरी खामियां पाई गई हैं, जिसके चलते अधिकांश राज्यों ने अपने यहां नए जीएम प्रौद्योगिकी बीजों इत्यादि की अनुमति नहीं दी है।

धारा 4 के उपखंड 9 से स्पष्ट है कि एक बार अनुमति मिलने के बाद जीएम खाद्य सामग्री पर निगरानी का काम खाद्य उद्योग पर ही छोड़ दिया गया है। प्राधिकरण की ओर से अपने स्तर पर इसकी लगातार निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। इसके अलावा निर्णय प्रक्रिया में हितों की टकराहट रोकने की व्यवस्था (जिसमें केवल जीएम के सुरक्षा विशेषज्ञ ही शामिल हों) भी नहीं है। दुर्भाग्य से अब तक प्रस्तावित नियमन केवल हिन्दी एवं अंग्रेजी में ही उपलब्ध हैं, जिसके चलते देश की बड़ी आबादी इन पर अपनी विवेकपूर्ण राय देने से वंचित है। वैसे भी प्राधिकरण की जिम्मेदारी प्रस्तावित मसविदे को इंटरनेट पर डालने भर से पूरी नहीं हो जाती। प्राधिकरण को इस बाबत जनता को जागरूक करने के सचेत प्रयास करने चाहिए। देश के विभिन्न इलाकों में जन सुनवाई भी आयोजित की जानी चाहिए। इसके बाद ही जीएम खाद्य पदार्थों को अनुमति देने पर निर्णय होना चाहिए।

विटामिन ए व सी का खजाना है

हरा टमाटर

लाल टमाटर खाने में स्वाद बढ़ता है और इसके सेवन से सेहत को अनगिनत फायदे भी होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि लाल टमाटर की तरह हरा टमाटर भी स्वाद और पोषण में कुछ कम नहीं है। बेशक हरे टमाटर लाल की तरह आकर्षक नहीं हैं, लेकिन वे लगभग उतने ही महत्वपूर्ण पोषक तत्व प्रदान करते हैं। डायने ओन्स्टेड ने अपनी पुस्तक होल फूड्स कंपेनियन में लिखा है कि भुने हुए हरे टमाटर को हरी सलाद में या ग्रिल्ड मीट के साथ खाने से आपको अधिक आवश्यक विटामिन और खनिजों का उपभोग करने में मदद मिल सकती है। ज्यादा लाभ लेने केलिए हमेशा पके और पतले छिलके वाले टमाटर खाएं। आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हरा होने का मतलब यह नहीं है कि वो कच्चे हैं। अगर ऐसा लगता है, तो खाने से पहले कई दिनों तक धूप में रखें। कच्चे टमाटर में जहरीला पदार्थ हो सकता है, जो फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकता है। अगर बात करें हरे टमाटर के पोषक तत्वों की, तो यह किसी अन्य हेल्दी फूड से कम नहीं है। एक कप हरे टमाटर में लगभग 23 मिलीग्राम कैल्शियम और 367 मिलीग्राम पोटेशियम शामिल हैं। हरे टमाटर में प्रोटीन, मैग्नीशियम, फास्फोरस और विटामिन जैसे शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। चलिए जानते हैं नियमित रूप से हरे टमाटर का सेवन करने से आपकी सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

बीटा कैरोटीन

हरे टमाटर में बीटा-कैरोटीन की मात्रा लाल टमाटर के समान ही होती है। बीटा-कैरोटीन कई फलों और सब्जियों में मौजूद होता है और आपके शरीर को विटामिन ए का उत्पादन करने में मदद करता है। विटामिन ए आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है और आंखों की रोशनी बढ़ाता है। इसके अलावा विटामिन एवाइट ब्लड सेल्स का उत्पादन करने में भी मदद करता है एक कप हरे टमाटर में 623 माइक्रोग्राम बीटा-कैरोटीन होता है।

विटामिन सी

जिस तरह लाल टमाटर में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है, ठीक उसी तरह हरा टमाटर भी विटामिन सी का पावरहाउस है। एक कप हरा टमाटर 42 मिलीग्राम विटामिन सी देता है। विटामिन सी का सेवन करने से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद मिल सकती है जिससे आपका शरीर सर्दी, फ्लू और अन्य बीमारियों से अधिक आसानी से लड़ने में सक्षम होता है। विटामिन सी आपके दांतों, मसूड़ों, हड्डियों और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है।

फाइबर का भंडार

हरा टमाटर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। यह आंत और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। एक कप हरा टमाटर लगभग 2 ग्राम फाइबर देता है। अधिकतर फल-सब्जियों और साबुत अनाज में फाइबर मौजूद होता है, इसलिए इन चीजों के साथ हरा टमाटर खाने से आपको अधिक फाइबर मिल सकता है। फाइबर हृदय रोग, पेट के कैंसर और टाइप 2 डायबिटीज से बचा सकता है। साल 2017 के एक अध्ययन के अनुसार, फाइबर पाचन तंत्र के कामकाज को दुरुस्त करता है, जिससे कब्ज से बचाव होता है।

कब्ज का रामबाण इलाज

टमाटर में 94 प्रतिशत पानी होता है। पानी से भरपूर खाद्य पदार्थ पाचन क्रिया को बढ़ाते हैं और कब्ज जैसे रोग से बचाते हैं। हरा टमाटर भूख और वजन को स्वस्थ स्थान पर रखने में भी सहायक है।

खून के थक्के से करता है बचाव

यह विटामिन के का बेहतर स्रोत है। विटामिन से हड्डियों की ताकत और घनत्व बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। एक मध्यम हरा टमाटर लगभग 12.5 माइक्रोग्राम विटामिन के प्रदान करता है। चूंकि विटामिन के वसा में घुलनशील है, इसलिए इसे स्वस्थ वसा स्रोतों के साथ मिलाने से इसका अवशोषण बढ़ सकता है।

हंसना मना है

एक लड़का स्कूल से जल्दी घर आ गया। दादा: क्या हुआ बेटा, तुम बहुत जल्दी घर आ गए। लड़का: हां मां, मैंने एक मच्छर को मारा तो टीचर ने भगा दिया। दादा: क्या? तुम सच बोल रहे हो, एक मच्छर मारने के लिए स्कूल से भगा दिया। लड़का: मच्छर टीचर के गाल पर बैठा हुआ था।

टीचर: न्यूटन का नियम बताओ। स्टूडेंट: सर पूरी लाइन तो याद नहीं, लास्ट की याद है। टीचर: चलो लास्ट की ही सुनाओ। स्टूडेंट: और इसे ही न्यूटन का नियम कहते हैं।

कसाई बकरे को लेकर काटने जा रहा था, बकरा मैं-मैं चिल्ला रहा था, तभी एक बच्चे ने पूछा: आपका बकरा क्यों चिल्ला रहा है? कसाई : मैं इसे काटने ले जा रहा हूं, इसलिए बच्चा-मैंने सोचा स्कूल ले जा रहे होंगे।

रिंकी: तुम्हारी दिल्ली की यात्रा कैसी थी? चिंकी: अरे! बता नहीं सकती! रास्ते में मेरे पापा पानी लेने उतर गए, और गाड़ी चल पड़ी और वह स्टेशन पर ही छूट गए। रिंकी: तुम्हारा दर्द समझ सकती हूं तुम्हें इतनी लंबी यात्रा में प्यासा ही रहना पड़ा होगा।

पति: आज खाना क्यों नहीं बनाया? पत्नी: गिर गई थी, लग गई। पति- कहां गिर गई थी और क्या लग गई थी? पत्नी: तकिये पर गिर गई थी और आंख लग गई थी।

कहानी — अंधभक्ति

गोनू झा के पिता उचित खर्चों में भी कंजूसी करते थे, किंतु साधु-संतों में उनकी बड़ी आस्था थी। किसी सामुद्रिक को देखकर तो मचल ही उठते थे। उनकी इस कमजोरी से गोनू झा भली भांति अवगत हो चुके थे। एक बार गोनू झा को कुछ रुपयों की सख्त जरूरत महसूस हुई। पिता से बहुत अनुनय-विनय किया और घर से भाग जाने की धमकी भी दी, फिर भी पिता टस-से-मस नहीं हुए। दूसरे ही दिन गोनू झा लापता। पिता ने चारों तरफ आदमी दौड़ाए। माँ ने अन्न-जल त्याग दिया। संयोग से उसी दिन एक महात्मा गोनू झा के घर आ पहुंचा। उसे सद्य: भगवान मानकर उनके माता-पिता अतिशय आदर-सत्कार करने में जुट गए। पिता ने पुत्र के बारे में पूछा। महात्मा ने मुंह पर उंगली रखते हुए संकेत से ही कहा, मैं मौनी बाबा हूँ, इसलिए लिखकर ही बताऊँगा। उसने लिखकर बताया, गोनू इस पृथ्वी पर मस्ती में है और मेरे मंत्रों के प्रभाव से कल तक लौट आएगा। मनोनूकूल उत्तर सुनकर माता-पिता प्रसन्न हो गए; खुशी के मारे उसे रुपए-पैसे और अंगूठी भी प्रदान कर दी। आनन-फानन में ग्रामीणों की भीड़भी जुटने लगी। साधु लोगों को उनका अतीत बता-बताकर भविष्यवाणी करने लगा। उसके पूर्ण ज्ञान से संतुष्ट होकर ग्रामवासियों ने यथेष्ट धन दिया। साधु ने रात-भर गोनू झा के यहाँ रहना स्वीकार कर लिया। दूसरे दिन वह साधु गोनू झा के पिता से अनुमति ले और मोटे सामानों को छोड़कर विदा हुआ। गृहस्वामी ने भक्ति-भाव से कहा, महाराज, सामान क्यों छोड़ते जा रहे हैं ? आप जहां कहें, वहां मैं पहुंचवां दूंगा। साधु ने स्लेट पर लिख दिया, रमता योगी, बहता पानी। साधुओं को खाने-पीने की क्या चिंता ! और आप सुपुत्र की चिंता न करें; वह चल चुका है । स्लेट पर गृह स्वामी विभोर हो गए और साधु को हाथ जोड़कर विदा किया। माता-पिता गोनू झा की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे थे। तभी गोनू झा कंधे पर झोला लटकाए दरवाजे पर उपस्थित हुए। माता-पिता ने उन्हें हृदय से लगाया और भांति-भांति के प्रश्न उनसे करने लगे। गोनू झा ने कटाक्ष करते हुए कहा, कल से अभी तक जितना मुझे सुख और सम्मान मिला है, उसका शतांश भी इस घर में कभी नहीं मिल पाया है। साधु की भविष्यवाणी सही निकली कि गोनू झा मस्ती में है और आज आ भी रहा है। माता-पिता ने साधु को मन ही मन शतश: साधुवाद दिया। गोनू झा को बड़े सत्कार से भोजन मिला। माता ने झोला खोलकर देखना चाहा तो गोनू झा ने अंगूठी और रुपए-पैसे निकालकर पिता के श्रीचरणों पर रख दिए। उन्होंने चौंकते हुए पूछा, ये क्या हैं? गोनू झा ने सहजता से कहा, पूज्यवाद पिताजी, कल की कमाई है। उन्होंने अंगूठी उठाकर देखी और विस्मय से पूछा, यह तुम्हें कहाँ मिली? गोनू झा ने ढिठाई से कहा, पिताजी, आजकल के अधिकांश साधू-संत नकली होते हैं; कल मैं ही नाटयमंडली से साधु का वेश धारण कर आया था। आप वैसे ही साधु-संतों के अंधभक्त बने रहते हैं और दूसरी ओर माताराम के उचित खर्च को भी टालते रहते हैं। पिता ने प्रसन्न होते हुए कहा, गोनू, आज तुमने मेरी आँखें खोल दीं।

4 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपको कोई गलतफहमी हो सकती है। किसी की बात से प्रभावित हो सकते हैं। अविवाहित लोगों की शादी तय हो सकती है। प्रेमी के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं।

वृषभ — पार्टनर को खुश करने के लिए आपको कुछ बातों को इग्नोर करना पड़ेगा। आज आपके प्रेम संबंधों में उतार-चढ़ाव रहेगा। अपनी भावनाएं प्रेमी पर ना थोपें।

मिथुन — आज आप कुछ सोच-समझकर बोलें। आपकी बातों का गलत मतलब निकाला जा सकता है। प्रेमी से शारीरिक सुख मिल सकता है।

कर्क — पति-पत्नी के बीच प्यार बना रहेगा। आज के दिन शुरू होने वाली रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी। लाइफ पार्टनर या प्रेमी को लेकर आप पजेसिव हो सकते हैं।

सिंह — प्रेमी और खुद की सेहत का ख्याल रखें। पार्टनर की खुशी के लिए आपको कई मामलों में अपनी इच्छाएं दबानी पड़ सकती है।

कन्या — आप अपने प्रेम संबंधों में मिठास लाने की कोशिश करें। आज आप किसी व्यक्ति की सोच से बहुत प्रभावित होंगे। कोई बात प्रेमी को गलत लग सकती है।

तुला — पार्टनर के लिए आपकी इज्जत और बढ़ सकती है। अपोजिट जेंडर वाला व्यक्ति आपके करीब आ सकता है। अविवाहित लोगों को विवाह प्रपोजल मिल सकते हैं।

वृश्चिक — कुछ लोग प्यार को शादी में बदलने का मन बना सकते हैं। सिंगल लोग किसी को प्रपोज करने की सोच रहे हैं तो वह कर सकते हैं। अपनी भावनाएं प्रेमी पर ना थोपें।

धनु — आपकी बात का गलत मतलब निकाला जा सकता है। किसी अफवाहों पर विश्वास ना करें। प्रपोज करने का मन बना रहे हैं तो उनके लिए समय अनुकूल है।

मकर — ऑफिस में व्यस्त होने के कारण पार्टनर लिए भी समय नहीं मिल पाएगा। सिंगल लोगों की लाइफ में कोई खास इंसान आ सकता है। रिश्ते सामान्य रहेंगे।

कुम्भ — इस राशि के सिंगल लोग किसी करीबी इंसान की ओर आकर्षित हो सकते हैं। अपनी भावनाएं किसी को शेयर ना करें। प्रपोज करना चाह रहे हैं तो कर सकते हैं।

मीन — पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

कंगना रनोट ने योग को दिनचर्या में शामिल करने की दी सलाह

कंगना रनोट अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वो अक्सर देश के समसमायिक मुद्दों पर अपनी राय भी व्यक्त करती रहती हैं। साथ ही अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्मों से जुड़े अपडेट भी शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर कोविड-19 से उभरने के बाद आने वाली परेशानियों के बारे में बात की है। साथ ही उन्होंने फैंस से कोविड-19 के बाद अपने शरीर की देखभाल करने का आग्रह किया है। कंगना रनोट ने इस पोस्ट को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर लिखा, वो सभी जिन्हें कोविड़-19 हुआ हो या वैक्सीन लगवाई हो, कृपया अपने विटामिन डी3 और बी12 के स्तर की जांच कराएं और उनके सप्लीमेंट्स को बिना किसी पहवाह के शुरू करें... योग और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें या आपने किसी अन्य प्रकार का व्यायाम करते हैं, तो उसमें ध्यान या प्राणायमा को जरूर जोड़े...। एक्ट्रेस ने आगे लिखा, आप ये नहीं जान सकते हैं कि आपका शरीर कैसे स्ट्रगल कर रहा है। जब तक कि इसके काम को परिस्थितियों से ना परखा जाए.... अपना ख्याल रखें। वहीं उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने पसंदीदा अभिनेता एक पोस्ट को शेयर किया है। इस फोटो को अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने घर के बाहर कुर्सी पर बैठे हुए हैं। इसको शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, नवाजुद्दीन सिद्दीकी सर ने अपना घर खुद डिजाइन किया है। बहुत खूबसूरत है, बहुत-बहुत मुबारकबाद सर। बता दें कंगना रनोट इन दिनों अपनी पहली प्रोडक्शंन फिल्म टीकू वेड्स शेरू की आखिरी शेड्यूल की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्माण मर्णिकर्णिका फिल्म के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में नवाजुद्दीन मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं।

भगवान पर किए विवादित कमेंट के लिए

श्वेता तिवारी ने मांगी माफी

बॉलीवुड | मसाला

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने इन दिनों काफी विवादों में फंसी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने एक इवेंट के दौरान कहा भगवान मेरी ब्रा का साइज ले रहे हैं। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर हंगामा मचा हुआ है। अब उनके खिलाफ भोपाल में भी एफआईआर भी दर्ज करवा दी गई है। लेकिन मामला बढ़ता देख अब श्वेता ने आधिकारिक बयान जारी किया है।

श्वेता ने जारी किया बयान

श्वेता ने अपने विवादित बयान पर अब मांफी मांगते हुए एक बयान जारी किया हैं। मीडिया में दिए अपने बयान में श्वेता ने कहा, मेरे संज्ञान में आया है कि मैंने अपनी सहयोगी से जो बात संदर्भ से बाहर कही थी, उसे गलत समझा जा रहा है।

अगर मेरे बयान को गलत समझा गया है तो, मैंने भगवान के संदर्भ में सौरभ राज जैन को रखा था, जो भगवान की लोकप्रिय भूमिका के संदर्भ में था।

भगवान में पूरी आस्था- श्वेता

श्वेता ने आगे कहा, लोग अक्सर किरदारों को अभिनेताओं से जोड़ते हैं और इसीलिए मैंने मीडिया से बातचीत के समय इसी को उदाहरण के तौर पर इस्तेमाल किया था। लेकिन इसे गलत समझा गया है, जो बहुत दुखद है। भगवान में मेरी पूरी आस्था है। मैं ऐसा बोलने के बारे में सोच भी नहीं सकती, जो लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाए।

श्वेता ने मांगी माफी

श्वेता ने कहा, मेरा अपने शब्दों और काम से लोगों को चोट पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। इसलिए मैं विनम्रतापूर्ण उस चोट के लिए सभी लोगों से माफी मांगती हूं, जो मैंने अनजाने में बहुत से लोगों को पहुंचाई है।

क्या है मामला

श्वेता तिवारी फैशन से जुड़ी वेब सीरीज के अनाउंसमेंट के लिए स्टारकास्ट और प्रोडक्शन टीम के साथ भोपाल पहुंची थीं। इस सीरीज के प्रमोशन के दौरान श्वेता ने यह बयान दिया। बातचीत के दौरान श्वेता ने कह दिया कि मेरी ब्रा का साइज भगवान ले रहे है। हालांकि ये बात बोलकर वह हंसने लगती हैं। श्वेता की इस वेब सीरीज में रोहित रॉय, दिगांगना सूर्यवंशी, सौरभ राज जैन, कंवलजीत नजर आएंगे। भोपाल में सीरीज शूट होगी।

देवों के देव महादेव की पार्वती का बोल्ड अवतार देख भड़के लोग

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

फेमस धार्मिक शो देवों के देव महादेव में पार्वती का किरदार निभाने वाली टीवी एक्ट्रेस पूजा बनर्जी इन दिनों सोशल अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर लगातार चर्चा में बनीं हुई हैं। पूजा ने भले ही पर्दे पर सिंपल रोल प्ले किया हो लेकिन रियल लाइफ में काफी बोल्ड हैं। पूजा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें पोस्ट कर फैंस को हैरान करती रहती हैं। इसी बीच पूजा की एक बोल्ड तस्वीर इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। इस तस्वीर में पार्वती यानी पूजा का ये रूप देखकर फैंस काफी हैरान हैं। एक्ट्रेस पूजा बनर्जी का ये ऑफ स्क्रीन बोल्ड अवतार उनके फैंस को दीवाना बनाता नजर आ रहा है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि पूजा ने बेहद डीप नेक वनपीस ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस दौरान उनका हॉट क्लीवेज साफ नजर रहा है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि पूजा कैमरे के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। वहीं फ्लोरल प्रिंट वनपीस ड्रेस में वह कहर ढाती दिख रही हैं। इस दौरान उनके बाल ओपन हैं। वहीं इस तस्वीर में पूजा के पीछे का व्यू बेहद ही खूबसूरत नजर आ रहा है। पूजा की इस तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर जहां कई फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं तो कई नाराजगी जता रहे हैं।

पूजा की इस तस्वीर को अबतक काफी बार देखा जा चुका है। वहीं इस पर कमेंट कर एक यूजर ने लिखा, उफ्फ अब जान लेके रहोगे। तो वहीं एक लिखता है, भाई यार कितनी ऑसम है। तो एक यूजर लिखता है, ये कुछ ज्यादा नहीं हो गया। एक दूसरे यूजर ने लिखा, आप ऐसा क्यों करते हैं?

अजब-गजब | जानिए क्या थी वजह

जब आलू की वजह से चली गई थी पूरे परिवार की जान

दुनियाभर में कई बार तमाम अजीबोगरीब घटनाएं हो जाती है। जिन पर यकीन कर पाना मुश्किल होता है। आज हम आपको एक ऐसी ही घटना के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें आलू की वजह से एक पूरे परिवार की मौत हो गई थी। ये सब कैसे हुआ ये जानकर आप हैरान रह जाएंगे। ये घटना रूस की है। जब एक 8 साल की मासूम बच्ची को आलू की वजह से अनाथ होना पड़ा था। दरअसल, आलू की वजह से बच्ची के पूरे परिवार की मौत हो गई थी। जो दुनिया में अपने आप में सबसे अलग और इकलौती घटना है।

बता दें कि एक आलू से निकली जहरीली गैस ने बच्ची के पिता, मां, भाई और दादी को मौत की नींद सुला दिया था। ये जहरीली गैस सड़े हुए आलू से निकली थी। बताया जाता है कि इस परिवार ने सर्दियों के मौसम में अपने घर की बेसमेंट में आलू जमा करके रखे थे। लेकिन आलू इतने सड़ गए कि उनमें जहरीली गैस बन गई और जब परिवार का एक-एक सदस्य उस बेसमेंट में गया तो वहां उस गैस की वजह से बेहोश होकर वहीं गिर गया और उसकी मौत हो गई। पड़ोसियों और पुलिस वालों का यह भी कहना था कि पूरे परिवार की जान बेसमेंट में रखे आलुओं ने ली है जोकि बुरी तरह से सड़ चुके थे। उनसे निकली हुई गैस बेसमेंट में बुरी तरह से फैल गई थी।

बता दें कि आलू में जहरीले यौगिक मौजूद होते हैं, जिन्हें ग्लाइकोल्कोलोइड कहा जाता है। ये सोलानाइन और चेकोनीन का सबसे प्रचलित रूप होता है। हल्के हरे रंग के आलू जो ज?यादा समय तक ही पड़े हो या किसी तरह से खराब या कट-फट गए हों तो उनमें ग्लाइकोकालोइड बढ़ जाता है। यह कीड़े, बीमारी और अन्य शिकारियों के खिलाफ पौधे की रक्षा प्रणाली का एक तरीका है। अगर ग्लाइकोकालोइड के बढ़ते स्तर का संकेत माना जाता है और अगर इसका स्तर बढ़ जाता है तो ये इंसान के लिए जहर के समान बन जाता है। इसी वजह से आलू जहरीला बन जाता है और इसकी गैस मात्र से ही इंसान की मौत हो जाती है।

बता दें कि आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है लेकिन आलू में ऐसा जहर होना काफी लोगों के दिलों को तोड़ सकता है। अगर आप भी आलू खाने के शौकीन हैं तो आपको भी इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि आलू या कोई और भी सब्जी ज्यादा पुरानी या सड़ी-गली ना हो। अगर आप सब्जी को स्टोर भी करना चाहते हैं तो उसे फ्रिज या धूप-हवा आने वाली जगह पर रखें। अगर सब्जी पर धूप-हवा लगती रहेगी तो उस पर कीटाणु नहीं पनपेंगें और वो आपकी सेहत को भी नुकसान नहीं पहुंचाएगी।

ये है दुनिया का सबसे लंबा पैदल यात्रा मार्ग, 13 देशों से होकर गुजरता है रास्ता

अगर आप धरती पर एक जगह से दूसरे जगह की यात्रा कर जा रहे हैं, तो क्या आप इस बात का अंदाजा लगा सकते हैं कि बिना कोई नदी या जलस्त्रोत पार किए कितनी दूर जा सकते हैं। शायद आप इस बात का अंदाजा नहीं लगा सकते हैं। हालांकि दुनिया में एक ऐसे रास्ते की खोज हुई है जिस रास्ते से पैदल यात्रा करने में कोई नदी या जलस्त्रोत नहीं है। इस बात पर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश नाविक जॉर्ज मीगन अमेरिका के अर्जेंटीना से 30,608 किलोमीटर लंबी दूरी तय कर 1983 में अलास्का पहुंचे थे। उन्होंने यह लंबी यात्रा कुल 2425 दिनों में पूरी की थी। जबकि अमेरिकी आर्मी रेंजर होली हैरिसन ने इसी रास्ते पर साल 2018 में 530 दिनों में 23,305 किलोमीटर की दूरी तय कर ली थी। आइए बताते हैं किसने अब तक सबसे लंबी पैदल यात्रा की है। एक प्रतियोगी हैं जिन्होंने सबसे लंबी पैदल यात्रा की है। इन्होंने साल 2020 में दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन से यात्रा की शुरुआत थी। उन्होंने अपनी यात्रा पूरी करने के लिए गूगल मैप की मदद ली थी। इस प्रतियोगी ने रूस के मागाडान पहुंचने के लिए 22,104 किलोमीटर की दूरी तय की। लेकिन इनका नाम गोपनीय रखा गया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर आप बिना कोई नदी या जलस्त्रोत पार किए सीधी रेखा में जाना चाहते हैं, तो चीन से पुर्तगाल तक की यात्रा कर सकते हैं। आयरलैंड के कॉर्क स्थित कोलिंस एयरोस्पेस एप्लाइड रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी के फिजिसिस्ट, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर रोहन चाबुकश्वर और नई दिल्ली स्थित आईबीएम रिसर्च के इंजीनियर कुशल मुखर्जी ने साल 2018 में इस रास्ते को खोजा था। रोहन और कुशल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सीधी रेखा से पैदल यात्रा करने पर करीब 11,240 किलोमीटर लंबी दूरी तय करनी होगी। इस रास्ते में आपको किसी भी नदी या जलस्त्रोत को पार नहीं करना होगा।

कानपुर : बेकाबू ई-बस ने कई वाहनों को मारी टक्कर, छह की मौत, नौ घायल

» चालक फरार, घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

» अभी तक तीन मृतकों की हो सकी है शिनाख्त, जांच-पड़ताल में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। जनपद में रविवार देर रात घंटाघर से टाटमिल चौराहे की ओर जा रही अनियंत्रित ई-बस ने कोहराम मचाया। बस के सामने आने से करीब आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है जबकि नौ घायल हैं। मृतकों में केवल तीन की शिनाख्त की जा सकी है। घायलों में भी कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। कुछ घायलों को हैलट तो कुछ को घटनास्थल के पास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घंटाघर से टाटमिल की ओर आ रही तेज रफ्तार ई-बस पुल से नीचे उतरते ही अनियंत्रित हो गई। पहले बस ने एक रिक्शा को टक्कर मारी। इसके बाद आगे चल रहे ई रिक्शा को भी अपने चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि बस चालक ने शराब पी रखी थी क्योंकि इन हादसों के बाद बस अनियंत्रित होकर रांग साइड चली गई। उसके बाद जो भी वाहन सामने से आया बस ने उसे कुचल दिया। कृष्णा अस्पताल से लेकर टाटमिल चौराहे पर दो कारें, दो बाइक व एक स्कूटी को बस ने अपनी चपेट में लिया। उसके बाद बस टाटमिल चौराहे पर सिग्नल पोल को तोड़ते हुए ट्रैफिक बूथ से टकराकर रुक गई। बस के रुकते ही चालक मौके से फरार हो गया। लोग घायलों को लेकर पड़ोस के कृष्णा अस्पताल पहुंचे और उन्हें भर्ती कराया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आनन-फानन घायलों को लेकर हैलट अस्पताल लेकर आया गया। पुलिस के मुताबिक हादसे में छह लोगों के की मौत हुई है। हालांकि केवल तीन की पहचान ही हो सकी है। मृतकों में शुभम सोनकर, सुनील उर्फ टिंकल सोनकर और बेकनगंज निवासी अर्सलाम की शिनाख्त हो गई है, जबकि तीन अन्य की पहचान अभी नहीं हुई है। मृतकों में एक रिक्शा चालक भी बताया जा रहा है, जिसे शुरूआत में ही बस ने टक्कर मारी थी। डीसीपी पूर्वी प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि घायलों का इलाज कराया जा रहा है। मृतकों में अभी केवल तीन की शिनाख्त हुई है। बस चालक फरार है, जिसके बारे में जानकारी जुटाकर उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

देश में कोरोना संक्रमण की थम रही रफ्तार

» लगातार एक हफ्ते तक आए तीन लाख से कम केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों लगातार गिरावट जारी है। बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 2,09,918 नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान 959 लोगों की मौत भी हुई है। वहीं, कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 2,62,628 रही।

देश में कोरोना के एक्टिव मामले घटकर अब 18,31,268 हो गए हैं। वहीं, कोरोना से अब तक 4,13,02,440 लोग संक्रमित हो चुके हैं। देश में अब तक 3,89,76,122 मरीज इससे ठीक भी हो चुके हैं। वहीं, कुल 4,95,050 मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देश में डेली पाजिटिविटी दर अब 15.77 फीसद हो गई है। बता दें कि देश में बीते एक हफ्ते से कोरोना के लगातार तीन लाख से कम मामले सामने आ रहे हैं। इससे पहले 24 जनवरी को 2 लाख 55 हजार 874 मामले सामने आए थे। 24 जनवरी से लगातार कोरोना के तीन लाख से कम मामले सामने आ रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया कि भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 13,31,198 सैंपल टेस्ट किए गए थे। इसके साथ ही कल तक कुल 72,89,97,813 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

सहारनपुर में तमंचा फैक्ट्री पकड़ी, दो गिरफ्तार

» चुनाव के दौरान करना था सप्लाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। सहारनपुर जिले के देवबंद थाना पुलिस ने गांव अंबेहटा शेखा के जंगल से रविवार की देर रात करीब 12 बजे छापा मारकर असलहा बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से बड़ी संख्या में तमंचे और कारतूस मिले हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चुनाव होने के कारण तमंचों की डिमांड बढ़ गई थी इसलिए रात दिन लगकर तमंचे बना रहे थे।

एसएसपी आकाश तोमर ने बताया कि देवबंद कोतवाली पुलिस टीम ने अंबेहटा शेखा के जंगल से उम्मेद पुत्र सलाम निवासी जोला थाना बुढ़ाना जनपद मुजफ्फरनगर व सोनू उर्फ संदीप पुत्र जनेश्वर निवासी बलवा खेड़ी थाना चरथावल को गिरफ्तार किया गया है। मौके से 80 कारतूस 315 बोर व 6 तमंचे देसी, 16 अधबने तमंचे तथा अवैध शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद हुए हैं। आरोपी उम्मेद पूर्व में भी शस्त्र बनाने में जेल जा चुका है तथा दोनों का पूर्व में काफी बड़ा अपराधिक इतिहास है। दोनों से पूछताछ चल रही है कि फैक्ट्री किसके इशारे पर चल रही थी और यह हथियार कहां-कहां सप्लाई होते थे।

बिना अनुमति हार्दिक पटेल ने लगाई चुनावी चौपाल, दर्ज होगा मुकदमा

» कांग्रेस नेता ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने रविवार को रतनपुर गांव में चुनावी चौपाल लगाई। बिना अनुमति के चौपाल लगाने के मामले को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। एसडीएम के निर्देश पर थानाध्यक्ष बड़ागांव रामबाबू पटेल मौके पर पहुंचे तो वहां पर बिना अनुमति के भीड़ जुटाई गई थी। इस मामले में पुलिस ने कहा कि जांच कर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

हार्दिक पटेल कांग्रेस पार्टी का चुनाव प्रचार करने के लिए यहां थे। पटेल समुदाय के लोगों के साथ पिंडरा के रतनपुर गांव में चौपाल लगाई। हार्दिक पटेल ने केंद्र व प्रदेश भाजपा सरकारों को घेरते हुए कहा कि कुछ चीजें बेहतर कर देने से सब कुछ बेहतर नहीं होता है। मैं सरकार के काशी विश्वनाथ धाम का विरोधी नहीं हूं लेकिन उसके निर्माण में न जाने कितने सैकड़ों वर्ष पुराने मंदिर शिवलिंग खत्म हो गए। यदि सरकार विकास की बात करती है तो उसे यह भी स्पष्ट करना होगा कि उसने अपने पांच साल के कार्यकाल में क्या किया। उन्होंने कहा कि यदि आप सब प्रदेश बचाना चाहते हैं तो इस सरकार को हटाइए। बड़ी-बड़ी बातें करने वाले व गुजरात को विकास का मॉडल बताने वाले ये भाजपा के नेता किसी भी स्तर पर विश्वनीय नही हैं। पूर्व विधायक अजय राय ने विधान सभा के लोगों से अपना घर से घाट तक के संबंध की बात कही और कहा कि पिंडरा मेरा घर है। कार्यक्रम में बीएन सिंह, सत्यनारायण शर्मा, रमा ऊदल, राजूराम, सतीश सिंह, राघवेंद्र चौबे, सत्यप्रकाश सिंह, बाबा पटेल व मोहसिन रजा शास्त्री आदि मौजूद रहे।

अब अकाली दल ने किया मुफ्त बिजली का वादा

» सुखबीर सिंह बादल ने किया ऐलान, महिलाओं को देंगे हर माह दो हजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटियाला। शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल रविवार को बरनाला पहुंचे। उन्होंने ऐलान किया कि सरकार बनने पर हर वर्ग की 400 यूनिट बिजली प्रति माह माफ होगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए 10 लाख तक का कर्ज बिना ब्याज दिया जाएगा। भाई घनैया योजना दोबारा शुरू कर 10 लाख तक का इलाज मुफ्त किया जाएगा। इसके अलावा सरकारी स्कूलों से पढ़ाई कर चुके बच्चों के लिए 33 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित की जाएंगी। काटे गए नीले कार्ड फिर से बनाए जाएंगे और हर वर्ग की घरेलू महिला को दो हजार रुपये प्रति महीना दिया जाएगा।

सुखबीर ने आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आड़े हाथों लिया और कहा कि उन्हें पंजाब से कोई लगाव नहीं है। केजरीवाल ने पंजाब का पानी दिल्ली ले जाने, थर्मल प्लांट बंद करवाने व पराली को जलाने वाले किसानों पर मामले दर्ज करवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र दिया है। आप पूंजीपतियों की पार्टी बनकर रह गई है और केजरीवाल ने ज्यादातर टिकट अपराधियों को दिए हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पंजाब विरोधी हैं। जितनी भी लोक भलाई योजनाएं लागू हुई हैं वे अकाली सरकार में हुई हैं। आटा दाल योजना, शगुन योजना, बुढ़ापा पेंशन, 200 यूनिट बिजली की माफी योजना व ट्यूबवेल के बिजली के बिलों की माफी योजनाएं अकाली दल ने शुरू की थी। इसके अलावा एयरपोर्ट भी उनके कार्यकाल में ही बने हैं।

मानवीय संवेदनाओं का प्रतिबिंब है 'कहीं धूप, कहीं छाँह' काव्य संग्रह

» कवि राजेश अरोरा शलभ के नवीनतम काव्य संग्रह का ई-लोकार्पण

» देश-विदेश की शख्यितों ने दी शुभकामनाएं, कोरोना से मृत लोगों को पुस्तक किया समर्पित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी की साहित्यिक संस्था विविधा के तत्वावधान में जाने -माने हास्य-व्यंग्य कवि, गजलकार, गीतकार और गायक राजेश अरोरा शलभ की 17वीं पुस्तक व काव्य संग्रह कहीं धूप, कहीं छाँह का ई-लोकार्पण लखनऊ में देश के लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान उदय प्रताप सिंह और उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार गोपाल चतुर्वेदी ने किया। देश-विदेश से नामचीन शख्सियतों ने कवि शलभ को शुभकामनाएं दीं।

कवि राजेश अरोरा शलभ ने बताया कि यह उनकी 17वीं पुस्तक और 23वीं साहित्यिक कृति है। इसे उन्होंने कोरोना काल में लिखी और उन समस्त ज्ञात-अज्ञात लोगों को समर्पित की है,जो इस महामारी से कालग्रस्त होकर असमय ही इस संसार को छोड़कर चले गये। पुस्तक में पांच खंडों में व विभिन्न विधाओं में हैं, जिसके अंतिम खंड में अप्रैल 20 से अगस्त 21तक के काल खंड की क्रमानुसार कोरोना विषयक रचनाएं हैं, जो एक तरफ मानव संवेदनाओं और प्रार्थनाओं से जुड़ी हुई हैं तो वहीं दूसरी ओर कोरोना से बचाव उपायों को रोचक ढंग से प्रस्तुत करती हैं। अन्य खंडों में जिंदगी की संवेदनात्मक धूप-छाँह (सुख-दुख) के पहलुओं को रेखांकित करती हुई गजलें, गीत, राष्ट्रीय चेतना के गीत व हास्य-व्यंग्य की रचनाएं भी हैं । सुप्रसिद्ध वरिष्ठ हास्य कवि सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि शलभ, कला और भाव पक्ष दोनों में दक्ष हैं। इंजीनियरिंग का पेशा होते हुए भी साहित्य और कला की अनेक विधाओं में दक्षता प्राप्त करने वाले बिरले ही होते हैं और शलभ उनमें से एक हैं । गौरतलब है कि देश-विदेश में कई सम्मान-पुरस्कार प्राप्त कर चुके राजेश अरोरा शलभ को हाल में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा साहित्य भूषण सम्मान से भी नवाजा है। इस मौके पर पद्मश्री अशोक चक्रधर व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गिरिराज शरण अग्रवाल, डॉ.अनिल सुलभ, भजन गायक अनूप जलोटा, प्रोड्यूसर डाइरेक्टर केतन आनंद, साहित्यकार डॉ. शैलेश श्रीवास्तव, डा. महेश दिवाकर, उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी की पूर्व चेयरपरसन पद्मश्री प्रो. आसिफा जमानी, हिंदी मर्मज्ञ डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित आदि मौजूद रहे।

बजट सत्र का आगाज, राष्ट्रपति बोले तेजी से बढ़ रही देश की अर्थव्यवस्था

» आज भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता

» कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम भारत के सामर्थ्य का प्रमाण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का आगाज आज से हो गया है। सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण से हुई। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार के निरंतर प्रयासों से भारत एक बार फिर विश्व की सर्वाधिक तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। सरकार की नीतियों की वजह से आज भारत उन देशों में है जहां इंटरनेट की कीमत सबसे कम है। यहां स्मार्ट फोन की कीमत भी सबसे कम है। इसका बहुत बड़ा लाभ भारत की नौजवान पीढ़ी को मिल रहा है। आज भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत के सामर्थ्य का प्रमाण कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम में नजर आया है। हमने एक साल से भी कम समय में 150 करोड़ से भी ज्यादा वैक्सीन डोज लगाने का रिकॉर्ड पार किया। आज देश में 90 प्रतिशत से अधिक वयस्क नागरिकों को टीके की एक डोज मिल चुकी है जबकि 70 प्रतिशत से अधिक लोग दोनों डोज ले चुके हैं। भारत में बन रही वैक्सीन पूरी दुनिया को महामारी से मुक्त कराने और करोड़ों लोगों का जीवन बचाने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने तीन तलाक को कानूनन अपराध घोषित कर समाज को इस कुप्रथा से मुक्त करने की शुरुआत की है। महिला सशक्तीकरण सरकार की उच्च प्राथमिकताओं में से एक है। बेटे-बेटी को समानता का दर्जा देते हुए सरकार ने महिलाओं के विवाह के लिए न्यूनतम आयु को 18 वर्ष से बढ़ाकर पुरूषों के समान 21 वर्ष करने का विधेयक भी संसद में प्रस्तुत किया है। सरकार की नीतियों की वजह से डिफेंस सेक्टर में विशेषकर रक्षा उत्पादन में देश की आत्म-निर्भरता लगातार बढ़ रही है। सरकार भारत की प्राचीन विरासत को संरक्षित, समृद्ध और सशक्त करना अपना दायित्व समझती है। भारत से चोरी हुई मां अन्नपूर्णा देवी की मूर्ति को वापस लाकर काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित किया गया है। किसानों को भी मजबूत करने का काम किया जा रहा है।

आर्थिक सर्वेक्षण पेश

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोक सभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 को पेश किया। हंगामे के चलते लोक सभा की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप खाईं में गिरी, चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» गोंडा से गंगा स्नान को जा रहे थे प्रयागराज

गोंडा। तरबगंज- नवाबगंज मार्ग पर आज तड़के दुर्जनपुर घाट के पास एक पिकअप अनियंत्रित होकर खाईं में गिर गई। इसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई जबकि आठ लोगों की हालत नाजुक है। पिकअप सवार लोग बहराइच जिले के पयागपुर थाना क्षेत्र के मुंडेरवा ठकुराइन गांव के हैं जो गंगा स्नान के लिए प्रयागराज जा रहे थे। पिकअप में 47 से ज्यादा लोग सवार थे। हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है और घायलों को हर संभव मदद को भरोसा दिलाया है।

पिकअप में लकड़ी का तख्त डालकर डबल स्टोरी सीट बनाई गई थी। जिस पर संगम स्नान करने के लिए मुंडेरवा बहराइच के ठकुराइन प्रवाह इकौना व पयागपुर के लोग इलाहाबाद संगम स्थान करने के लिए जा रहे थे। तरबगंज थाने से 10 किमी दूरी पर दुर्जनपुर घाट पुल का एप्रोच मार्ग रानीपुर पहाड़ी पर तीव्र मोड़ पर बना है। कोहरे में प्रतिदिन गाड़ियां इस मोड़ पर पलट रही हैं। अनियंत्रित होकर पिकअप गहरी खाईं में चली गई। घायलों को नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व तरबगंज स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। एसडीएम कुलदीप सिंह ने बताया कि मृतकों में लल्लू, हजारीलाल पासवान, संतदीन पांडेय व श्याम लाल शामिल हैं। श्यामलाल का शव आज सुबह बरामद हुआ है।

बाराबंकी : छह बार के विधायक रहे राजीव कुमार सिंह का निधन

» लखनऊ के मेदांता अस्पताल में थे भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाराबंकी के दरियाबाद से छह बार विधायक रहे राजीव कुमार सिंह का निधन हो गया। दो दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस बार वह विधान सभा चुनाव के लिए बेटे के लिए टिकट मांग रहे थे। उनके निधन की खबर से शोक की लहर दौड़ गई। राजीव कुमार सिंह ने बाराबंकी में सबसे अधिक बार विधायक रहने का रिकॉर्ड बनाया है। 1985 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में दरियाबाद का विधायक बनने के बाद वह 6 बार विधायक रहे और लगातार तीन बार विधानसभा चुनाव जीत कर हैट्रिक भी मारी।

1985 से 1989 तक निर्दलीय विधायक रहने के बाद 1989 से 1991 तक कांग्रेस से विधायक रहे। इसके बाद 1996 से 2002 तक भाजपा से, 2002 से 2007 तक फिर भाजपा से, 2007 से 2012 तक सपा से और 2012 से 2017 तक भी सपा से विधायक रहे।

इस बार राजीव कुमार सिंह राजनीति से संन्यास लेना चाहते थे इसीलिए उन्होंने अपने बेटे रितेश सिंह को आगे किया था और उन्हीं के लिए टिकट मांग रहे थे। उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आज सुबह खबर आई कि राजीव कुमार सिंह का निधन हो गया। उनके निधन की खबर से जहां दरियाबाद क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

संगम नगरी में कल से नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। विधान सभा चुनाव के लिए पहली फरवरी से प्रयागराज में नामांकन शुरू हो जाएगा। इसके लिए प्रशासन की ओर से तैयारी अंतिम दौर में है। नामांकन रूम भी तैयार कर लिया गया है। चुनाव में कोविड -19 गाइडलाइन का सख्ती से पालन किया जायेगा । नामांकन के समय प्रत्याशी समेत सिर्फ तीन लोगों को अंदर जाने की अनुमति रहेगी । इस दौरान जुलूस के साथ आने की अनुमति नहीं दी गई है।

निर्वाचन अधिकारी एक फरवरी से नामांकन पत्रों का वितरण करेंगे। नामांकन फार्मों का वितरण सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक होगा। इसी समय पर्चे भरे जाएंगे। सामान्य और ओबीसी के लिए 10 हजार रुपये शुल्क जमा करना होगा। एससी और एसटी के लिए यह शुल्क पांच हजार है। प्रत्याशी को पर्चा भरने के साथ एक प्रस्तावक की जरूरत होगी जबकि निर्दलीय प्रत्याशी को 10 प्रस्ताव लाने होंगे ।

एलबी राय अध्यक्ष और संदीप सचिव निर्वाचित

सनब्रिज अपार्टमेंटस वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सनब्रिज अपार्टमेंटस बीबीडी ग्रीन सिटी लखनऊ में रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी में जनरल बाडी मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मौके पर कई पदाधिकारियों का चयन किया गया।

चुनाव अधिकारी सुभाष गुप्ता एवं उनकी पांच सदस्यीय टीम ने चुनाव को सफलता पूर्वक संपन्न कराया। मीटिंग में अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव हुआ। एल बी राय अध्यक्ष, संदीप कुमार पांडेय सचिव एवं रजत श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष चुना गया।

प्रियंका गांधी पहुंचीं नोएडा संभाली प्रचार की कमान

» नोएडा से कांग्रेस की प्रत्याशी हैं पंखुड़ी पाठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नोएडा से कांग्रेस पंखुड़ी पाठक को प्रत्याशी बनाया है। उन्हीं को वोट देने की अपील करने के लिए प्रियंका गांधी आज नोएडा पहुंचीं। यहां दर्शन-पूजन करने के बाद उन्होंने प्रचार अभियान की कमान संभाली। खास है कि प्रियंका गांधी का यह पहला प्रचार अभियान है। हालांकि इससे पहले वह फेसबुक और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों से जुड़ कर संवाद कर चुकी हैं।

प्रियंका गांधी आज दादरी में भी घर-घर जाकर चुनावी प्रचार कर सकती हैं। नोएडा में प्रियंका समाज के विभिन्न वर्गों से मुलाकात कर उनसे बातचीत करेंगी और कांग्रेस के पक्ष में वोट देने की अपील करेंगी। इसके बाद वह डोर-टू-डोर कैंपेन कर पंखुड़ी पाठक के लिए प्रचार करेंगी। अपने अभियान लड़की हूं, लड़ सकती हूं के तहत प्रियंका महिलाओं के एक ग्रुप से अलग से भी बात करेंगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।